

डॉ. रॉबर्ट ए. पीटरसन, मोक्ष, सत्र 21, मुक्ति और धार्मिक विषय। मुक्ति और पहले से ही और अभी तक नहीं

© 2024 रॉबर्ट पीटरसन और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. रॉबर्ट पीटरसन द्वारा मोक्ष पर दिए गए उनके उपदेश हैं। यह सत्र 21 है, मोक्ष और धर्मशास्त्रीय विषय। मोक्ष और "पहले से ही, अभी तक नहीं।"

हम उद्धार पर अपनी श्रृंखला में कुछ समापन व्याख्यानों के साथ समापन करते हैं। हमने मुख्य रूप से दो अपवादों के साथ उद्धार के अनुप्रयोग पर काम किया है। हमने चुनाव से शुरुआत की, जो उद्धार के लिए परमेश्वर की शाश्वत योजना का हिस्सा है।

फिर, हमने उद्धार के अनुप्रयोग में शामिल सिद्धांतों के साथ काम किया। मसीह के साथ एकता, व्यापक विषय, और फिर बुलावा, पुनर्जन्म, रूपांतरण, जो पश्चाताप और विश्वास, औचित्य, गोद लेने, पवित्रीकरण, दृढ़ता के लिए लंबा, संक्षिप्त रूप है, और फिर, जैसा कि हमने चुनाव के साथ शुरू किया था, यानी उद्धार के अनुप्रयोग से पहले, हमने अनन्त जीवन और महिमा, या महिमा के साथ निष्कर्ष निकाला, जो उद्धार के अनुप्रयोग का हिस्सा नहीं है, बल्कि उद्धार की पूर्णता है। शेष व्याख्यानों में, हम अपना ध्यान व्याख्या और व्यवस्थित धर्मशास्त्र से हटाकर बाइबिल धर्मशास्त्र की ओर मोड़ना चाहते हैं।

मैं उद्धार के दस पहलुओं को, जिनका हमने अध्ययन किया है, बाइबिल-धर्मशास्त्रीय विषयों के अंतर्गत, नौ या दस पहलुओं को सुसंगत बनाने का प्रयास करूंगा। और पहला है उद्धार और पहले से ही तथा अभी तक नहीं। एक शक्तिशाली बाइबिल विषय जो दोनों नियमों में व्याप्त है, वह है पहले से ही और अभी तक नहीं।

दरअसल, ये अभिव्यक्तियाँ बाइबिल से हैं, और पुराने प्रिंसटन बाइबिल धर्मशास्त्री गेरहार्डस वोस ने इन अवधारणाओं को एक विद्वान, दूसरे विद्वान, एक अधिक महाद्वीपीय विद्वान द्वारा लोकप्रिय बनाए जाने से पहले पढ़ाया था, जिन्होंने उन्हें लोकप्रिय बनाया। पहले से ही और अभी तक नहीं। पहले से ही, भगवान ने अपने वादों को पूरा किया है, लेकिन अभी तक उन्होंने इसे अंतिम रूप और पूर्णता में नहीं किया है।

हम इसे पुराने नियम के सृष्टि और पलायन के विषयों में देखते हैं। बाइबिल की कहानी शुरू होती है, शुरुआत में, परमेश्वर ने आकाश और पृथ्वी का निर्माण किया, उत्पत्ति 1:1। यशायाह भविष्यवाणी करता है, उद्धारण, क्योंकि मैं नया आकाश और नई पृथ्वी बनाऊंगा।

अतीत की घटनाएँ याद नहीं रहेंगी या मन में नहीं आएंगी, यशायाह 65:17। तो सृष्टि और नई सृष्टि है, जो पहले हो चुकी है और जो अभी नहीं हुई है। पलायन की परंपरा के लिए भी यही बात लागू होती है।

निर्गमन की पुस्तक के अध्याय 12:15 में मिस्र की गुलामी से इस्राएलियों के पलायन का वर्णन किया गया है। यशायाह ने एक नए पलायन की भविष्यवाणी करने के लिए पलायन शब्दावली का उपयोग किया है। यशायाह 43:16-21.

यशायाह 51:9-11. अभी तक नहीं विषय, मुझे अभी-अभी वह विद्वान याद आया जिसका नाम मैं भूल गया था, ओस्कर कुलमैन को इस अभी तक नहीं शब्दावली को लोकप्रिय बनाने का श्रेय जाता है, ओस्कर कुलमैन। अभी तक नहीं विषय पूरे नए नियम में फैला हुआ है।

यह उद्धार के प्रत्येक सैद्धांतिक पहलू में स्पष्ट है जिसका हमने अध्ययन किया है। इसलिए हमारा तरीका बस एक-एक करके उन पर विचार करना होगा, यह दिखाते हुए कि कैसे अभी तक नहीं हुआ विषय चुनाव, मसीह के साथ मिलन, पुनर्जन्म, बुलावा, इत्यादि में परिलक्षित होता है। चुनाव।

परमेश्वर ने अपने लोगों को उद्धार के लिए संसार की नींव से पहले ही चुन लिया था, इफिसियों 1:4, और समय शुरू होने से पहले, 2 तीमुथियुस 1:9। प्रकाशितवाक्य 13:8 और 17:8 की तुलना करें। हमें किसी के चुनाव का निर्धारण करने के लिए परमेश्वर की शाश्वत सलाह की जांच नहीं करनी चाहिए।

इसके बजाय, परमेश्वर ने हमें रास्ता चुना, 1 थिस्सलुनीकियों 1:4-5 में, जैसा कि मैंने पहले कहा था। क्योंकि हम जानते हैं, हे भाईयों और बहनों, परमेश्वर के प्रिय लोगों, कि उसने तुम्हें चुना है, क्योंकि हमारा सुसमाचार तुम्हारे पास केवल वचन मात्र ही में नहीं, वरन् सामर्थ्य सहित, पवित्र आत्मा में, और पूरे निश्चय के साथ पहुंचा है। 1 थिस्सलुनीकियों 1:4-5.

विश्वासी पहले से ही अपने चुनाव को जानते हैं, क्योंकि परमेश्वर ने उन्हें मसीह में विश्वास दिलाया है। यही कारण है कि पौलुस ने कुलुस्सियों को संबोधित किया, जैसा कि उसने कुलुस्सियों 3:12 और 13 में किया था। इसलिए, परमेश्वर के चुने हुए लोगों के रूप में, उसने लिखा, पवित्र और प्रिय, करुणा, दयालुता, नम्रता, कोमलता और धैर्य धारण करो, एक दूसरे के साथ सहन करो, और एक दूसरे को क्षमा करो यदि किसी को किसी के खिलाफ शिकायत हो।

जैसे प्रभु ने तुम्हें क्षमा किया है, वैसे ही तुम भी क्षमा करो। कुलुस्सियों 3:12 और 13. क्योंकि चुनाव पहले से ही है, बाइबल के लेखक व्यक्तियों को, रुफ़स, रोमियों 16:13, और कलीसियाओं को, 2 थिस्सलुनीकियों 2:13, 2 यूहन्ना 1 और 13, चुने हुए या निर्वाचित के रूप में संदर्भित करते हैं।

प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में मेम्ने के पक्ष के लोगों को चुना हुआ और विश्वासयोग्य कहा गया है। प्रकाशितवाक्य 17:14. परमेश्वर ने हमें सृष्टि से पहले ही चुन लिया था।

चुनाव समय और स्थान में प्रकट होता है जब चुने हुए लोग मसीह पर भरोसा करते हैं। प्रेरितों के काम 13:48 से तुलना करें। लेकिन चुनाव के पूरे प्रभाव भविष्य में हैं।

पौलुस ने चुनाव को परमेश्वर की योजना के संदर्भ में रखा है, रोमियों 8:29 और 30। जिन्हें उसने पहले से जान लिया था, उन्हें उसने पहले से ठहराया भी था। जिन्हें उसने पहले से ठहराया था, उन्हें उसने बुलाया भी था।

जिन्हें उसने बुलाया, उन्हें धर्मी भी ठहराया; जिन्हें उसने धर्मी ठहराया, उन्हें महिमा भी दी। रोमियों 8:29 और 30.

परमेश्वर का अपने लोगों से पहले से ही प्रेम करना, ज्ञान के लिए, और उन्हें चुनना, उनकी अंतिम महिमा की गारंटी देता है, जो अभी भी भविष्य में है। 1 थिस्सलुनीकियों 5:9 और 10 में पौलुस पुष्टि करता है कि परमेश्वर ने हमें क्रोध के लिए नहीं, बल्कि हमारे प्रभु यीशु मसीह के द्वारा उद्धार प्राप्त करने के लिए नियुक्त किया है, जो हमारे लिए मर गया, ताकि हम चाहे जागें या सोएँ, हम उसके साथ रह सकें। 1 थिस्सलुनीकियों 5:9 और 10।

बाद में, पौलुस बताता है कि वह सुसमाचार प्रचार में क्यों लगा रहता है। 2 तीमुथियुस 2:10. इसी कारण मैं चुने हुएों के लिये सब कुछ सहता हूँ, कि वे भी उद्धार जो मसीह यीशु में है, अनन्त महिमा के साथ पाएं।

2 तीमुथियुस 2:10. इसलिए, हालाँकि चुनाव सृष्टि से पहले ही हो चुका है और दोहराया नहीं गया है, इसके प्रभाव इतिहास में होते हैं, और इसका पूर्ण प्रकटीकरण अभी तक नहीं हुआ है। यह मसीह के दूसरे आगमन की प्रतीक्षा करता है।

मसीह के साथ एकता। परमेश्वर ने सृष्टि से पहले ही उद्धार में अपने लोगों को मसीह के साथ जोड़ने की योजना बनाई थी। इफिसियों 1:4. 2 तीमुथियुस 1:9. और इस प्रकार, उनका एक होना निश्चित था।

मैंने आपके साथ साझा किया कि यह मेरे लिए कितना उल्लेखनीय है कि पॉल द्वारा पूर्व-कालिक चुनाव की शिक्षा देने वाले दो अंशों में, उनमें से प्रत्येक में मसीह के साथ एकता का संदर्भ है, जिसे मैं मसीह के साथ एकता की प्रत्याशा या भविष्यवाणी मानता हूँ। परमेश्वर ने हमें संसार की रचना से पहले, उसमें, अर्थात् मसीह में चुना है। इफिसियों 1:4. और 2 तीमुथियुस 1:9. हम धार्मिकता के कामों से नहीं बचाए गए, बल्कि परमेश्वर ने हमें अपने उद्देश्य और अनुग्रह के अनुसार बचाया, जो अनुग्रह उसने हमें मसीह यीशु में सनातन युगों से दिया।

इसलिए, जब परमेश्वर अपने लिए लोगों को चुनता है, तो वह उन लोगों को समय और स्थान में उसे जानने के लिए साधन भी निर्धारित करता है, अर्थात् मसीह के साथ एकता। हालाँकि, वास्तविक एकता समय और स्थान में तब होती है जब आत्मा विश्वासियों को मसीह की ओर खींचती है। 1 कुरिन्थियों 12:13.

क्योंकि हम सब को एक ही आत्मा के द्वारा एक देह होने के लिये बपतिस्मा दिया गया, क्या यहूदी हो, क्या यूनानी, क्या दास हो, क्या स्वतंत्र; और हम सब को एक ही आत्मा पिलाया गया। 1 कुरिन्थियों 12:13. वास्तविक एकता मसीह में विश्वासियों के विश्वास के माध्यम से परमेश्वर के अनुग्रह से होती है।

उद्धरण, विश्वास के द्वारा, तुम सब मसीह यीशु में परमेश्वर के पुत्र हो। गलातियों 3:26। पौलुस गलातियों 2:20 में मसीह के साथ अपने विश्वास की एकता का जश्न मनाता है।

मैं मसीह के साथ क्रूस पर चढ़ाया गया हूँ, और अब मैं जीवित न रहा, पर मसीह मुझ में जीवित है। और अब मैं शरीर में जो जीवित हूँ तो केवल उस विश्वास से जीवित हूँ जो परमेश्वर के पुत्र पर है, जिस ने मुझ से प्रेम किया और मेरे लिये अपने आप को दे दिया। गलातियों 2:20.

फिलिप्पियों 3 :8 और 9 की तुलना करें। पहले से ही, परमेश्वर के लोग मसीह में विश्वास के द्वारा उससे जुड़ चुके हैं। हमने अभी तक इस एकता के पूर्ण परिणामों का अनुभव नहीं किया है। परमेश्वर ने अपने पुत्र की मृत्यु और पुनरुत्थान से मसीहियों को जोड़ा है।

इसलिए, रोमियों 8:27. हम उसके साथ दुख उठाते हैं ताकि हम भी उसके साथ महिमा पाएं। रोमियों 8:27.

हम मसीह के साथ मरे, उसके साथ जी उठे, उसके साथ स्वर्ग में बैठे, और यहाँ तक कि, एक अर्थ में, उसके साथ फिर से आए। कुलुस्सियों 3:1 और 4. कुलुस्सियों 3:1 और 3 और 4 उसी अध्याय के। इसलिए, यदि आप मसीह के साथ जी उठे हैं, तो उन चीज़ों की तलाश करें जो ऊपर हैं जहाँ मसीह है, परमेश्वर के दाहिने हाथ पर बैठा है।

क्योंकि तुम मर गए, और तुम्हारा जीवन मसीह के साथ परमेश्वर में छिपा हुआ है। जब मसीह, जो तुम्हारा जीवन है, प्रकट होगा, तब तुम भी उसके साथ महिमा में प्रकट होगे। कुलुस्सियों 3, मैं केवल 1 से 4 तक कहूँगा, पद 2 को छोड़ कर।

अंतिम मिलन में महिमा शामिल है। अंत में, परमेश्वर सब कुछ मसीह में एक साथ लाएगा। स्वर्ग की चीज़ें और धरती की चीज़ें दोनों ही उसमें हैं।

इफिसियों 1:10. इसका एक पहलू परमेश्वर का उद्धरण है, आने वाले युगों में, मसीह यीशु में हमारे प्रति अपनी दया के माध्यम से अपने अनुग्रह के अथाह धन को प्रदर्शित करना। इफिसियों 2:7. हमारी महिमा मसीह में है, क्योंकि जैसे आदम में सभी मरते हैं, वैसे ही मसीह में सभी जिलाए जाएँगे।

1 कुरिन्थियों 15:22. वेन ग़ुडेम का सारांश दोहराना ज़रूरी है। मसीह के साथ एकता का स्रोत दुनिया की नींव से पहले परमेश्वर पिता का चुनाव है और इसका फल परमेश्वर के पुत्रों की महिमा में मिलता है।

परमेश्वर के लोगों का दृष्टिकोण संकीर्ण नहीं है। यह व्यापक है, और यह लंबा है। यह स्थान और समय तक सीमित नहीं है।

इसमें अनंत काल का विस्तार है। इसकी कक्षा में दो केंद्र हैं, एक अनंत काल की परिषदों में परमेश्वर पिता का चुनाव करने वाला प्रेम, दूसरा मसीह के साथ उसकी महिमा के प्रकटीकरण में महिमामंडन। पहले की कोई शुरुआत नहीं है।

उत्तरार्द्ध का कोई अंत नहीं है। हम पहले से ही और अभी तक नहीं की थीम का पता लगा रहे हैं जो कि भविष्यवाणी पूरी हो चुकी है और अभी भी पूरी तरह से पूरी होनी है, उद्धार के इन विभिन्न पहलुओं के माध्यम से जिनका हमने अध्ययन किया है। पुनर्जन्म।

अब हम फिर से जन्मे हैं। यह पौलुस, याकूब, पतरस और यूहन्ना की गवाही है। पौलुस ने लिखा, उद्धारण, परन्तु परमेश्वर जो दया में धनी है, क्योंकि वह हम से बहुत प्रेम करता है, उसने हमें मसीह के साथ जीवित कर दिया, जब हम अपराधों में मरे हुए थे।

पिता ने अपनी इच्छा से हमें सत्य के वचन के द्वारा जन्म दिया ताकि हम उसकी सृष्टि में से एक प्रकार के प्रथम फल हों। याकूब 1, 18. पतरस कोरस में शामिल होते हुए कहते हैं, हमारे प्रभु यीशु मसीह के परमेश्वर और पिता धन्य हैं, क्योंकि उनकी महान दया के कारण उन्होंने हमें यीशु मसीह के मृतकों में से जी उठने के द्वारा नया जन्म दिया है।

1 पतरस 1:3. और यूहन्ना भी इससे सहमत है। जो कोई यह मानता है कि यीशु मसीह है, वह परमेश्वर से जन्मा है। 1 यूहन्ना 5:1. पुनर्जन्म पहले से ही है, और यह अभी तक नहीं हुआ है।

यीशु ने घोषणा की, क्योंकि मेरे पिता की इच्छा यह है कि जो कोई पुत्र को देखे और उस पर विश्वास करे, वह अनन्त जीवन पाए। और मैं उसे अंतिम दिन जिला उठाऊंगा। (यूहन्ना 6:40)

पौलुस ने रोमियों को आश्चस्त किया कि जिसने मसीह को मृतकों में से जिलाया, वही उनके नश्वर शरीरों को भी जिलाएगा। रोमियों 8:11. अपने पुनरुत्थान अध्याय में, प्रेरित भविष्यवाणी करता है, भाइयों और बहनों, मैं जो कह रहा हूँ, वह यह है।

मांस और लहू परमेश्वर के राज्य का उत्तराधिकारी नहीं बन सकते, न ही भ्रष्टा अविनाशी का उत्तराधिकारी बन सकती है। सुनो, मैं तुम्हें एक रहस्य बता रहा हूँ। हम सब सो नहीं जाएंगे, लेकिन हम सब एक पल में बदल जाएंगे, आखिरी तुरही बजते ही पलक झपकते ही।

क्योंकि तुरही बजेगी और मुर्दे अविनाशी दशा में उठाए जाएंगे, और हम बदल जाएंगे। क्योंकि अवश्य है कि यह नाशमान देह अविनाशीता को पहिन ले, और यह मरनहार देह अमरता को पहिन ले। पहला कुरिन्थियों 15:50 से 53 तक।

इसी तरह, बुलावा पहले से ही है और अभी तक नहीं है। बुलावा आम तौर पर पहले से ही है, लेकिन यह कम से कम एक मामले में अभी तक नहीं है। परमेश्वर हमें बचाने के लिए अपने पास बुलाने के लिए सुसमाचार के बुलावे का उपयोग करता है।

पौलुस उद्धार के अन्य पहलुओं के बीच बुलाहट को भी स्थान देता है। रोमियों 8, 30. जिन्हें उसने पहले से नियत किया था, उन्हें उसने बुलाया भी।

जिन्हें उसने बुलाया, उन्हें धर्मी भी ठहराया; जिन्हें उसने धर्मी ठहराया, उन्हें महिमा भी दी। रोमियों 8, 30।

पौलुस ने कुलुस्सियों से आग्रह किया, उद्धरण, मसीह की शांति जिसके लिए तुम भी एक शरीर में बुलाए गए हो, तुम्हारे हृदयों पर राज्य करे और धन्यवादी बने रहो। कुलुस्सियों 3:15. पौलुस चुनाव, पवित्रीकरण, विश्वास, बुलाहट और महिमा को केवल अंतिम अस्तित्व के साथ जोड़ता है जो अभी भी भविष्य में है।

उद्धरण: परमेश्वर ने शुरू से ही आपको आत्मा के द्वारा पवित्रता और सत्य पर विश्वास के द्वारा उद्धार के लिए चुना है। उसने आपको हमारे सुसमाचार के द्वारा इसके लिए बुलाया है ताकि आप हमारे प्रभु यीशु मसीह की महिमा प्राप्त कर सकें। 2 थिस्सलुनीकियों 2:13 और 14.

पतरस, पीड़ित मसीहियों को दृढ़ रहने के लिए प्रोत्साहित करते हुए, भविष्य की ओर संकेत करते हुए भूतकाल में बुलावे की बात करता है। 1 पतरस 5:10. सारे अनुग्रह का परमेश्वर, जिसने तुम्हें मसीह में अपनी अनन्त महिमा के लिये बुलाया है, वह तुम्हें थोड़े समय तक दुःख उठाने के बाद आप ही बहाल करेगा, स्थापित करेगा, मजबूत करेगा और सहारा देगा।

1 पतरस 5:10. भेड़ों और बकरियों के अपने संदेश में, यीशु अपने लोगों के अंतिम आह्वान के बारे में बात करते हैं, बिना बुलाए या बुलाए जाने जैसे शब्दों का इस्तेमाल किए। मत्ती 25:34.

भेड़ और बकरियों का मार्ग। तब राजा अपने दाहिनी ओर वालों से कहेगा, तुम जो मेरे पिता के धन्य हो, आओ, उस राज्य को प्राप्त करो जो जगत की उत्पत्ति से तुम्हारे लिए तैयार किया गया है। और निश्चित रूप से, 46 कहता है, और वे, बकरियाँ, अनन्त दण्ड में जाएँगी, लेकिन धर्मी अनन्त जीवन में प्रवेश करेंगे।

यहाँ, राजा, वापस राजा यीशु, परमेश्वर के लोगों को उनके अंतिम पुरस्कार के लिए बुलाता या बुलाता है। आओ तुम, जो मेरे पिता द्वारा धन्य हो, संसार की नींव से तुम्हारे लिए तैयार किए गए राज्य को विरासत में पाओ। यदि आप चाहें तो यीशु रूपकों का मिश्रण करते हैं।

वह पारिवारिक कल्पना, पिता और शाही कल्पना को जोड़ता है। आओ तुम जो मेरे पिता, पारिवारिक कल्पना से धन्य हो, राज्य के वारिस बनो, शाही कल्पना जो तुम्हारे लिए दुनिया की नींव से तैयार की गई है। तो बुलावा आमतौर पर पहले से ही है, लेकिन कम से कम उस एक जगह पर शब्द का उपयोग किए बिना, बुलावा की अवधारणा अभी तक नहीं है।

धर्मांतरण। धर्मांतरण इस युग का है, आने वाले युग का नहीं। इसलिए यह हमेशा पहले से ही है।

हमने पश्चाताप किया है और सुसमाचार पर विश्वास किया है और ईसाई जीवन में दोनों ही करते रहते हैं। लेकिन वह समय आएगा जब हमारे पाप दूर हो जाएँगे और विश्वास दृष्टि बन जाएगा। यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाले और यीशु ने पापियों को पश्चाताप करने के लिए बुलाया।

मत्ती 3:1 और 2. मत्ती 4:17. मसीहियों को यह सुनकर खुशी हुई कि अन्यजातियों ने पाप से फिरकर मसीह की ओर रुख किया है। उद्धरण: जब उन्होंने यह सुना, तो वे चुप हो गए, और उन्होंने परमेश्वर के वचन की महिमा की, इसलिए परमेश्वर ने पश्चाताप दिया है, जिसके परिणामस्वरूप अन्यजातियों को भी जीवन मिला है।

प्रेरितों के काम 11:14. पौलुस तीमुथियुस को धैर्य और नम्रता से सत्य सिखाने का निर्देश देता है और परमेश्वर से प्रार्थना करता है कि वह विरोधियों को पश्चाताप प्रदान करे ताकि वे सत्य के ज्ञान की ओर अग्रसर हों। 2 तीमुथियुस 2:25.

यूहन्ना ने अविश्वासियों के लिए मसीह पर भरोसा करने की आवश्यकता को स्पष्ट किया, उद्धरण, क्योंकि परमेश्वर ने अपने पुत्र को संसार में इसलिए नहीं भेजा कि वह संसार को दोषी ठहराए, बल्कि इसलिए कि वह उसके द्वारा संसार को बचाए। जो कोई उस पर विश्वास करता है, वह दोषी नहीं ठहराया जाता। जो कोई विश्वास नहीं करता, वह पहले से ही दोषी ठहराया जा चुका है।

यूहन्ना 3:17 और 18. यीशु ने यहूदियों को चेतावनी दी, उद्धरण, यदि तुम विश्वास नहीं करते कि मैं वही हूँ तो तुम अपने पापों में मरोगे। यूहन्ना 8:24.

यह कथन स्पष्ट है कि विश्वास सुनी हुई बातों से आता है और सुनी हुई बातें मसीह के संदेश से आती हैं। रोमियों 10:17. पॉल 2 कुरिन्थियों 5:6 से 10 में वर्तमान और मध्यवर्ती अवस्थाओं के बीच अंतर बताते हैं।

इसलिए, हम हमेशा आश्वस्त रहते हैं और जानते हैं कि जब हम शरीर में घर पर होते हैं, तो हम प्रभु से दूर होते हैं, क्योंकि हम विश्वास से चलते हैं, न कि दृष्टि से। वास्तव में, हम आश्वस्त हैं, और हम शरीर से दूर और प्रभु के साथ घर पर रहना पसंद करेंगे। इसलिए, चाहे हम घर पर हों या दूर, हम उसे प्रसन्न करने का लक्ष्य बनाते हैं, क्योंकि हम सभी को मसीह की न्यायपीठ के सामने उपस्थित होना चाहिए ताकि प्रत्येक को शरीर में उसके द्वारा किए गए अच्छे या बुरे कामों का प्रतिफल मिले।

दूसरा कुरिन्थियों 5, 6 और 10. नई पृथ्वी की अनंत अवस्था में पश्चाताप या विश्वास की कोई आवश्यकता नहीं होगी। पुनर्जीवित संतों के रूप में, हम पवित्र शहर में निवास करेंगे।

प्रकाशितवाक्य 21:10 जिसके बारे में यूहन्ना कहता है, उद्धरण, कोई भी अशुद्ध वस्तु या कोई भी व्यक्ति जो घृणित या झूठ का काम करता है, उसमें कभी प्रवेश नहीं करेगा, लेकिन केवल वे लोग जो मेमे की जीवन की पुस्तक में लिखे हैं। प्रकाशितवाक्य 21:27। सभी पाप अतीत की बात हो जाएँगे, और पूरी तरह से पवित्र प्राणियों के लिए पश्चाताप अनावश्यक होगा।

भगवान की कृपा से हम ऐसा ही करेंगे। नई धरती पर विश्वास की जरूरत नहीं होगी, क्योंकि, उद्धरण, भगवान और मेमे का सिंहासन शहर में होगा, और उसके सेवक उसकी पूजा करेंगे। वे उसका चेहरा देखेंगे, और उसका नाम उनके माथे पर होगा।

प्रकाशितवाक्य 22:3 और 4. हमें विश्वास की आवश्यकता नहीं होगी, क्योंकि हम परमेश्वर को देख सकेंगे। औचित्य, औचित्य पहले से ही है और अभी तक नहीं है। परमेश्वर हमें अपने अंतिम निर्णय की प्रत्याशा में अभी औचित्य प्रदान करता है।

रोमियों 5:1. इसलिए, जब से हम विश्वास से धर्मी ठहराए गए हैं, हमें अपने प्रभु यीशु मसीह के द्वारा परमेश्वर के साथ शांति प्राप्त है। परमेश्वर पिता मसीह के कार्य के आधार पर विश्वासियों को धर्मी घोषित करता है, जो हमारे अपराधों के लिए सौंप दिया गया था और हमारे औचित्य के लिए उठाया गया था। रोमियों 3:25.

यीशु की प्रायश्चित मृत्यु एक प्रायश्चित थी। रोमियों 3:25, 26 ईएसवी और एक धार्मिक कार्य। रोमियों 5:18।

इसलिए, जो कोई विश्वास करता है, वह मसीह यीशु में छुटकारे के द्वारा उसके अनुग्रह से सेंटमेंट धर्मी ठहराए जाते हैं। रोमियों 3:24. निश्चित रूप से, मिशनरी पौलुस का जोर अब धर्मी ठहराए जाने पर है।

वह योग्यता धर्मशास्त्र के खिलाफ बोलता है और लोगों को वर्तमान औचित्य के लिए मसीह पर भरोसा करने के लिए कहता है। लेकिन कम से कम तीन बाइबिल के अंश अंतिम दिन भविष्य के औचित्य की शिक्षा देते हैं। दिल में क्या था, यह प्रकट करने वाले कर्मों के बारे में बोलते हुए, यीशु ने कहा, उद्धरण, मैं तुमसे कहता हूँ कि न्याय के दिन लोगों को उनके द्वारा बोले गए हर लापरवाह शब्द का हिसाब देना होगा।

क्योंकि तू अपनी बातों से निर्दोष ठहरेगा, और अपनी बातों से दोषी भी ठहराया जाएगा। मत्ती 12:36 और 37. अन्तिम न्याय के समय परमेश्वर उन सब को निर्दोष ठहराएगा, जिन्हें उसने अनुग्रह से विश्वास के द्वारा धर्मी ठहराया है और जिन्होंने इसके फलस्वरूप अच्छा फल उत्पन्न किया है।

और वह उन सभी को दोषी ठहराएगा जो कभी न्यायोचित नहीं थे और जिनके काम ने यह दिखाया। शब्द, क्रिया, या मैं न्यायोचित ठहराता हूँ का अनुवाद बरी, न्यायोचित, या दोषमुक्त के रूप में किया जा सकता है। ये सभी वैध अनुवाद हैं।

दो बार पॉल, जो पहले से ही मुफ्त औचित्य का महान उपदेशक है, सिखाता है कि औचित्य अभी उपलब्ध नहीं है। दो आदमों की तुलना करते हुए, वह घोषणा करता है और उद्धृत करता है कि जिस तरह एक आदमी की अवज्ञा के माध्यम से, कई लोग धर्मी बन गए, उसी तरह एक आदमी की आज्ञाकारिता के माध्यम से भी, कई लोग धर्मी बनेंगे। रोमियों 5, 19।

अर्थात्, परमेश्वर अपने लोगों को अंतिम दिन बरी करेगा, उन सभी को न्यायोचित ठहराएगा जिन्होंने मसीह में विश्वास किया और जिनके जीवन परिणामस्वरूप बदल गए। पॉल ने गलातियों में भी यही बात सिखाई। उन लोगों की निंदा करने के बाद जो कानून के द्वारा न्यायोचित होने की तलाश करते हैं, गलातियों 5:4, वह घोषणा करता है, क्योंकि हम आत्मा के द्वारा विश्वास के द्वारा धार्मिकता की आशा की उत्सुकता से प्रतीक्षा करते हैं।

क्योंकि मसीह यीशु में न तो खतना और न ही खतना रहित होने से कुछ हासिल होता है। जो मायने रखता है वह है प्रेम के माध्यम से काम करने वाला विश्वास। गलातियों 5, आयत 5 और 6। यहाँ, न्यायिक धार्मिकता, औचित्य, ईसाई आशा का एक हिस्सा है जो अभी भी भविष्य में है।

गैलाटियन्स पर अपनी टिप्पणी में इस पाठ पर टिप्पणी करते हुए, डगलस मू ने लिखा, उद्धरण, न्यायिक धार्मिकता का एक भविष्य तत्व पॉल द्वारा कहीं और धार्मिकता के बारे में सिखाई गई बातों से असंगत नहीं है। यह सोचने के अच्छे कारण हैं कि यहाँ धार्मिकता शब्द ईसाई आशा की सामग्री को इंगित करता है। यदि धार्मिकता औचित्य के भविष्य के आयाम को संदर्भित करती है, तो पॉल स्पष्ट रूप से पुष्टि करता है कि विश्वास न केवल ईश्वर के साथ संबंध बनाने का साधन है, बल्कि उस संबंध को बनाए रखने और न्याय के दिन उस संबंध की पुष्टि करने का भी साधन है।

उद्धरण समाप्त करें। उद्धार के अन्य पहलुओं की तरह, गोद लेना पहले से ही है, और मुझे कहना चाहिए कि अभी तक नहीं, अन्य पहलुओं की तरह। भगवान की कृपा और उनके बेटे में विश्वास के कारण, हम वर्तमान में भगवान के बच्चे हैं।

पौलुस ने कहा, "तुम्हें लेपालकपन की आत्मा मिली है, जिसके द्वारा हम हे अब्बा, हे पिता कहकर पुकारते हैं। आत्मा आप ही हमारी आत्मा के साथ गवाही देती है कि हम परमेश्वर की संतान हैं।" रोमियों 8:15 और 16.

परमेश्वर ने अपने पुत्र को व्यवस्था तोड़ने वालों को छुड़ाने के लिए भेजा, उद्धरण, ताकि हम पुत्रों के रूप में गोद लिए जा सकें। और क्योंकि तुम पुत्र हो, परमेश्वर ने पुत्र की आत्मा को हमारे हृदयों में भेजा, जो पुकारता है, हे अब्बा, हे पिता। गलातियों 4:4 से 6। यूहन्ना एक संक्रमण उद्धरण प्रदान करता है, प्रिय मित्रों, अब हम परमेश्वर के बच्चे हैं।

और हम क्या होंगे, यह अभी तक प्रकट नहीं हुआ है। 1 यूहन्ना 3:2। वास्तव में, विश्वास के द्वारा, हम सब मसीह यीशु में परमेश्वर के पुत्र हैं। गलातियों 3:26।

हालाँकि, हमारे पुत्रत्व का पूर्ण प्रकटीकरण पुनरुत्थान की प्रतीक्षा करता है। रोमियों 8:23 यहाँ मुख्य पाठ है। हम स्वयं, जिनके पास पहले फल के रूप में आत्मा है, हम भी अपने भीतर कराहते हैं, और गोद लिए जाने, अपने शरीर के छुटकारे की उत्सुकता से प्रतीक्षा करते हैं।

रोमियों 8:23. परमेश्वर ने हमें वारिस बनाया है, हमें विरासत का वादा किया है, और वह विरासत भविष्य में मिलेगी। मेरे पास चार अंश हैं जो इसे दर्शाते हैं।

कुलुस्सियों 3:23, 24. जो कुछ तुम करते हो, मन से करो, यह समझकर कि मनुष्यों के लिये नहीं परन्तु प्रभु के लिये करते हो। क्योंकि तुम जानते हो कि तुम्हें प्रभु से मीरास के रूप में प्रतिफल मिलेगा। तुम प्रभु मसीह की सेवा करते हो।

कुलुस्सियों 3:23 और 24. तीतुस 3:6 और 7. परमेश्वर ने अपने उद्धारकर्ता यीशु मसीह के द्वारा हम पर अपनी आत्मा बहुतायत से उंडेली है, ताकि हम उसके अनुग्रह से धर्मी ठहरकर अनन्त जीवन की आशा के वारिस बनें। तीतुस 3:6 और 7. इब्रानियों 9:15.

इसलिए, यीशु एक नई वाचा का मध्यस्थ है, ताकि बुलाए गए लोग अनन्त विरासत का वादा प्राप्त कर सकें। इब्रानियों 9:15। परमेश्वर और पिता, परमेश्वर और पिता ने हमें एक ऐसी विरासत में जन्म दिया है जो अविनाशी, निष्कलंक, और मिटने वाली नहीं है, क्षमा करें, आपके लिए स्वर्ग में रखी गई है।

1 पतरस 1:3 और 4. पवित्रीकरण, इस समय तक यह जानना कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि पवित्रीकरण पहले से ही है और अभी तक नहीं है। वास्तव में, सिद्धांत के लिए हमारे प्रमुख शीर्षक प्रारंभिक थे, अर्थात्, निश्चित पवित्रीकरण, प्रगतिशील या ईसाई पवित्रीकरण, और अंतिम या संपूर्ण पवित्रीकरण। प्रारंभिक, प्रगतिशील और अंतिम पवित्रीकरण।

पहले दो पहले से ही की बात करते हैं। अंतिम पवित्रीकरण, बेशक, अभी तक नहीं की बात करता है। परमेश्वर ने समय से पहले हमारे पवित्रीकरण की योजना बनाई, इफिसियों 1, 4, और मसीह के प्रायश्चित के माध्यम से अपने लोगों को पवित्र करता है।

यूहन्ना 14:23. इफिसियों 5:25 और 26. विश्वासी प्रगतिशील पवित्रीकरण में सक्रिय हैं।

फिलिप्पियों 3:12 से 14. 2 थिस्सलुनीकियों 2:13. यीशु ने आदेश दिया, उद्धारण, धन्य हैं वे जो धार्मिकता के भूखे और प्यासे हैं।

मत्ती 5:6. पवित्रीकरण अभी है, और कभी-कभी यह कठिन होता है; जैसा कि पौलुस समझाता है, उद्धारण, यह परमेश्वर की इच्छा है, तुम्हारा पवित्रीकरण, कि तुम यौन अनैतिकता से दूर रहो। 1 थिस्सलुनीकियों 4:3. 1 पतरस 1:15 और 16. इब्रानियों ने विश्वासियों को पवित्रता का अनुसरण करने का आग्रह किया है।

इसके बिना, कोई भी प्रभु को नहीं देख पाएगा। इब्रानियों 12:14 और 15. 3 यूहन्ना आयत 11 से तुलना करें।

पवित्रीकरण भी अभी नहीं हुआ है। मसीह ने अपने चर्च से प्यार किया और उसके लिए खुद को क्रूस पर मरने के लिए दे दिया। उसका उद्देश्य, उद्धारण, उसे पवित्र बनाना है, वचन द्वारा पानी के स्नान से उसे शुद्ध करना है।

इफिसियों 5:25. क्या वह हमारे जैसे भटके हुए लोगों के साथ सफल होगा? वास्तव में, वह उन्हें वैभव, बिना दाग या झुर्री या ऐसी किसी भी चीज़ के, बल्कि पवित्र और निर्दोष रूप में प्रस्तुत करने में विफल नहीं होगा। इफिसियों 5:27.

प्रेरित ने अन्यजातियों के प्रति अपनी सेवकाई का वर्णन याजकीय शब्दों में किया है, क्योंकि वह परमेश्वर के सुसमाचार के याजक के रूप में सेवा करता है। परमेश्वर का उद्देश्य है कि अन्यजातियाँ पवित्र आत्मा द्वारा पवित्र किए गए एक स्वीकार्य भेंट बनें। रोमियों 15, 16.

थिस्सलुनीकियों के लिए पौलुस की इच्छा प्रार्थना मसीहियों के भविष्य के पवित्रीकरण की ओर इशारा करती है, जो अंततः परमेश्वर की विश्वासयोग्यता पर निर्भर करता है। उद्धरण, अब, शांति का परमेश्वर स्वयं तुम्हें पूरी तरह से पवित्र करे, और हमारे प्रभु यीशु मसीह के आने पर तुम्हारी पूरी आत्मा, प्राण और शरीर स्वस्थ और निर्दोष रखे जाएँ। जो तुम्हें बुलाता है वह विश्वासयोग्य है।

वह ऐसा करेगा। 1 थिस्सलुनीकियों 5:23 और 24. संरक्षण और उसका परिणामिक दृढ़ता इस युग से संबंधित है, न कि आने वाले युग से।

इसलिए, परिभाषा के अनुसार, वे पहले से ही हैं और अभी तक नहीं हैं। परमेश्वर अपने लोगों को अंत तक बचाए रखता है, और इसलिए, सच्चे विश्वासी अंत तक दृढ़ रहते हैं। 1 यूहन्ना 2:19.

हालाँकि, हालाँकि ये सत्य पहले से ही निहित हैं, वे अभी तक नहीं की ओर इशारा करते हैं, जैसा कि यीशु ने यूहन्ना 6:38 से 40 में सिखाया। क्योंकि मैं अपनी इच्छा पूरी करने के लिए स्वर्ग से नीचे नहीं आया हूँ, बल्कि उसकी इच्छा पूरी करने के लिए जिसने मुझे भेजा है। यह उसकी इच्छा है जिसने मुझे भेजा है कि मैं उन लोगों में से किसी को न खोऊँ जिन्हें उसने मुझे दिया है, बल्कि उन्हें अंतिम दिन फिर से जीवित कर दूँ।

क्योंकि मेरे पिता की इच्छा यह है कि जो कोई पुत्र को देखे और उस पर विश्वास करे, अनन्त जीवन पाए, और मैं उसे अंतिम दिन फिर जिला उठाऊँगा। (यूहन्ना 6:38 से 40) इसी प्रकार, यूहन्ना 10:28, 29.

मैं उन्हें अनन्त जीवन देता हूँ, और वे कभी नाश न होंगे। कोई उन्हें मेरे हाथ से छीन न लेगा। मेरा पिता, जिसने उन्हें मुझे दिया है, सब से बड़ा है।

कोई भी उन्हें पिता के हाथ से छीन नहीं सकता। यूहन्ना 10:28, 29. यीशु उस मिशन को पूरा करने के लिए आया था जो पिता ने उसे दिया था, विश्वासियों को बचाने और उन्हें तब तक रखने के लिए जब तक यीशु उन्हें मृतकों में से जीवित नहीं कर देता।

यूहन्ना 10 में, यीशु विस्तार से बताते हैं कि संरक्षण में क्या शामिल है। वह अपने लोगों को अनन्त जीवन देता है और स्पष्ट रूप से कहता है कि वे कभी नाश नहीं होंगे। इसके बजाय, वह और पिता उन्हें अंतिम उद्धार के लिए सुरक्षित रखेंगे।

विभिन्न तरीकों से, पॉल एक ही बात सिखाता है। वह एक प्रसिद्ध अध्याय की शुरुआत इस तरह से करता है: इसलिए, जो लोग मसीह यीशु में हैं, उनके लिए कोई निंदा नहीं है, रोमियों 8:1। म्यू ने रोमियों पर म्यू की टिप्पणी को उद्धृत करते हुए, पहले से ही और अभी तक नहीं के संबंध में निंदा की सही व्याख्या की। निंदा शब्द का न्यायिक स्वाद दृढ़ता से सुझाव देता है कि पॉल यहाँ केवल विश्वासी के पाप के दंड से मुक्ति के बारे में सोच रहा है।

मृत्यु की तरह, एक समानांतर शब्द, निंदा खोए हुएपन की स्थिति को दर्शाता है, ईश्वर से अलगाव की स्थिति जिसे, मसीह के अलावा, हर व्यक्ति अनंत काल तक अनुभव करेगा। उद्धारण समाप्त करें। पवित्र आत्मा अभी तक नहीं हुए उद्धार की पहले से ही मौजूद दिव्य गारंटी है।

मुहर और अग्रिम भुगतान दोनों के रूप में, आत्मा छुटकारे के दिन के लिए हमारे उद्धार को सुनिश्चित करती है, इफिसियों 4:30। पॉल को भरोसा है, उद्धारण, मैं शर्मिंदा नहीं हूँ क्योंकि मैं जानता हूँ कि मैंने किस पर विश्वास किया है और मुझे यकीन है कि वह उस दिन तक मेरे लिए सौंपी गई चीज़ों की रक्षा करने में सक्षम है। मैं क्रिश्चियन स्टैंडर्ड बाइबल से उद्धृत कर रहा हूँ, लेकिन मैं इसके अनुवाद से असहमत हूँ। मैं मानता हूँ कि यहाँ एक अस्पष्टता है, लेकिन मैं इसके बजाय ESV के साथ पढ़ूँगा।

इसके लिए खेद है। इसका अनुवाद वास्तव में इस प्रकार किया जा सकता है कि उसने मुझे क्या सौंपा है, बल्कि, मुझे लगता है कि इसका अनुवाद इस प्रकार किया जाना चाहिए, लेकिन मैं शर्मिंदा नहीं हूँ क्योंकि मैं जानता हूँ कि मैंने किस पर विश्वास किया है, और मुझे विश्वास है कि वह उस दिन की रक्षा करने में सक्षम है जो मुझे सौंपा गया है। दो गवाहों की गवाही से, यह स्थापित हो जाएगा।

मैं समर्पण करता हूँ। अन्य अनुवाद कहते हैं कि मैंने उसे जो सौंपा है, वह सही है। दोनों सत्य हैं।

यह सत्य का प्रश्न नहीं है। यह व्याख्या का प्रश्न है। मैं ESV और क्रिश्चियन स्टैंडर्ड बाइबल को ही स्वीकार करूँगा और उस अनुवाद को अकेला छोड़ दूँगा।

फिर से, उद्धारण, प्रभु मुझे हर बुरे काम से बचाएगा और मुझे सुरक्षित रूप से अपने स्वर्गीय राज्य में ले जाएगा। 2 तीमुथियुस 4:18। मसीह में विश्वास करने वालों को बचाए जाने के लिए अंत तक दृढ़ रहना चाहिए। इब्रानियों 10:36। प्रकाशितवाक्य 14:12। विशेष रूप से, विश्वास में बने रहना, इब्रानियों 12:1-4। प्रेम, तीतुस 3:4-7। और पवित्रता, इब्रानियों 12:4। मैं इसे फिर से दोहराऊँगा।

मसीहियों और मसीह में विश्वास करने वालों को बचाए जाने के लिए अंत तक दृढ़ रहना चाहिए। इब्रानियों 10:36 . प्रकाशितवाक्य 14:12. विशेष रूप से, विश्वास में बने रहना या दृढ़ रहना, इब्रानियों 12:1-4. प्रेम, तीतुस 3:4-7. और पवित्रता, इब्रानियों 12:14. परमेश्वर द्वारा अपने संतों का संरक्षण और उनके स्वभाव के अनुसार उनका दृढ़ रहना पहले से ही मौजूद है। वे, क्रमशः ईश्वरीय संप्रभुता और मानवीय जिम्मेदारी के संदर्भ में, अभी तक नहीं की ओर इशारा करते हैं।

जब मसीह वापस आएगा, तो वह अपने लोगों को नई धरती पर अनंत जीवन के लिए उठाएगा और महिमा देगा। अंत में, हम इस पहले से ही अभी तक नहीं विषय का अनुसरण करते हैं। हमने जितने भी अलग-अलग सिद्धांतों का अध्ययन किया है, उनमें से कुछ में पाया है कि उद्धार अभी तक उपलब्ध नहीं है।

यह केवल पहले से ही है। लेकिन अनन्त जीवन और महिमा मुख्य रूप से पहले से ही की बात करते हैं। यह सच नहीं है।

यह पहले से ही और अभी तक नहीं दोनों के बारे में बात करता है। पहले से ही, हम आम तौर पर अनन्त जीवन और अनन्त महिमा के बारे में सोचते हैं जो हमारी भविष्य की विरासत है। यह सच है।

लेकिन वे वर्तमान वास्तविकताएँ भी हैं। अनन्त जीवन मुख्य रूप से यूहन्ना के सुसमाचार में पहले से ही मौजूद है। यूहन्ना के सुसमाचार में, उनके तथाकथित साकार युगांतशास्त्र के साथ, अनन्त जीवन का वादा विश्वासी का वर्तमान अधिकार है।

हर जगह नहीं। लेकिन आमतौर पर, हाँ। यीशु ने एक सामरी महिला से कहा, उद्घरण, यदि तुम परमेश्वर के उपहार को जानती और जानती कि कौन तुमसे कह रहा है, मुझे पानी पिलाओ, तो तुम उससे माँगती, और वह तुम्हें जीवन का जल देता।

यूहन्ना 4:10. यह तय करना मुश्किल है कि जीवित जल पवित्र आत्मा को दर्शाता है या उसके द्वारा लाया गया अनन्त जीवन। किसी भी तरह से, यीशु वर्तमान में अनन्त जीवन का वादा करता है। यह या तो पवित्र आत्मा है जो अनन्त जीवन लाता है या जीवित जल, जो कि आत्मा द्वारा लाया गया अनन्त जीवन है।

किसी भी तरह से, यीशु वर्तमान में, विडंबना यह है कि, एक सामरी महिला को अनन्त जीवन का वादा करता है। जॉन, यीशु दो अनन्त नियति के बीच अंतर करता है। उद्घरण: जो पुत्र पर विश्वास करता है, उसके पास अनन्त जीवन है, लेकिन जो पुत्र को अस्वीकार करता है, वह जीवन नहीं देखेगा।

इसके बजाय, परमेश्वर का क्रोध उस पर बना रहता है। यूहन्ना 3:36. यूहन्ना में, यीशु ने अक्सर अनन्त जीवन के वर्तमान आयाम का उल्लेख किया। उद्घरण: मैं तुमसे सच कहता हूँ, जो कोई मेरा वचन सुनता है और उस पर विश्वास करता है जिसने मुझे भेजा है, अनन्त जीवन उसका है और वह न्याय के अधीन नहीं आएगा, बल्कि मृत्यु से जीवन में प्रवेश कर चुका है।

यूहन्ना 5:24. यूहन्ना 10:28 से तुलना करें। फिर से, उद्धृत करें, यह अनन्त जीवन है, यीशु ने कहा, कि वे आपको, पिता, एकमात्र सच्चे परमेश्वर और जिसे आपने भेजा है, को जानें। यूहन्ना 17:3. यीशु ने अपने पहले पत्र में भी यही किया। यूहन्ना ने अपने पहले पत्र में भी यही किया।

उद्घरण, जो कोई अपने भाई या बहन से घृणा करता है, वह हत्यारा है। और तुम जानते हो कि किसी हत्यारे में अनन्त जीवन नहीं रहता। 1 यूहन्ना 3:15। हालाँकि पौलुस मुख्य रूप से अनन्त जीवन की बात करता है, फिर भी वह दो बार तीमुथियुस से कहता है, उद्घरण, अनन्त जीवन को थाम लो।

अब निहित है। 1 तीमुथियुस 6:12 और पद 19। महिमा मुख्य रूप से भविष्य के उद्धार को संदर्भित करती है, लेकिन पॉल कहता है कि पवित्र आत्मा विश्वासियों को अब महिमा में बदल रहा है।

उद्धरण: हम सभी खुले चेहरों से प्रभु की महिमा को दर्पण में देख रहे हैं और महिमा से महिमा में उसी छवि में परिवर्तित हो रहे हैं। यह प्रभु की ओर से है जो आत्मा है। 2 कुरिन्थियों 3:18। अभी नहीं।

अनंत जीवन और महिमा अभी भी जॉन के लेखन से बाहर नहीं हैं। यीशु ने उन लोगों को आने वाले युग में अनंत जीवन का वादा किया जिन्होंने उसका अनुसरण करने के लिए बलिदान दिया। लूका 18:30। हालाँकि जॉन आमतौर पर साकार युगांतशास्त्र की बात करते थे, पहले से ही, उन्होंने कभी-कभी सुसंगत युगांतशास्त्र की बात की, अभी तक नहीं।

उद्धरण, एक समय आ रहा है जब कब्रों में पड़े सभी लोग उसकी आवाज़ सुनेंगे, मनुष्य के बेटे की आवाज़ और बाहर आएंगे। जिन्होंने अच्छे काम किए हैं वे जीवन के पुनरुत्थान के लिए हैं। यूहन्ना 5:28.29। पॉल अक्सर आने वाले युग के अनन्त जीवन का उपयोग करता है।

इसमें कोई संदेह नहीं है। तीतुस 1:1 और 2. पौलुस, परमेश्वर का सेवक और यीशु मसीह का प्रेरित, परमेश्वर के चुने हुए लोगों के विश्वास और सत्य के उनके ज्ञान के लिए जो अनन्त जीवन की आशा में भक्ति की ओर ले जाता है, जिसका वादा परमेश्वर ने किया था जो झूठ नहीं बोल सकता, समय के शुरू होने से पहले। तीतुस 1:1 और 2. तीतुस 3.6 और 7. परमेश्वर ने हमारे उद्धारकर्ता यीशु मसीह के माध्यम से हम पर अपनी आत्मा को भरपूर मात्रा में डाला, ताकि उसके अनुग्रह से न्यायसंगत ठहराए जाने के बाद, हम अनन्त जीवन की आशा के साथ वारिस बन सकें।

यहूदा 20:21. लेकिन हे प्रिय मित्रों, तुम अपने पवित्र विश्वास में अपने आप को आगे बढ़ाते हुए, पवित्र आत्मा में प्रार्थना करते हुए, परमेश्वर के प्रेम में बने रहो, और अनन्त जीवन के लिए हमारे प्रभु यीशु मसीह की दया की बाट जोहते रहो। यहूदा 20 और 21. जब नए नियम के लेखकों ने उद्धार में महिमा की बात की, तो उन्होंने भविष्य का उल्लेख किया।

पौलुस चाहता था कि थिस्सलुनीकियों का चाल-चलन परमेश्वर के योग्य हो, जो उन्हें अपने राज्य और महिमा में बुलाता है। 1 थिस्सलुनीकियों 2:12। परिणामस्वरूप, कलीसिया को प्रभु यीशु मसीह की महिमा प्राप्त होगी। 2 थिस्सलुनीकियों 2:14। मसीह के साथ एकता का अर्थ है अभी उसके साथ दुख उठाना और बाद में उसके साथ महिमा पाना।

रोमियों 8:17. क्योंकि, जब मसीह जो तुम्हारा जीवन है, प्रकट होगा, तब तुम भी उसके साथ महिमा में प्रकट होगे। कुलुस्सियों 3:4. हमारी आशा पुनरुत्थान है जब परमेश्वर हमारे शरीरों को महिमा में उठाएगा। 1 कुरिन्थियों 15:43. सर्वशक्तिमान मसीह हमारी दीन-हीन स्थिति के शरीर को अपने महिमामय शरीर की समानता में बदल देगा।

फिलिप्पियों 3:21. परमेश्वर अपनी महिमा को अपने सभी लोगों और अपनी सृष्टि के साथ साझा करेगा। उद्धरण, सृष्टि स्वयं भी भ्रष्टाचार के बंधन से मुक्त हो जाएगी और परमेश्वर की संतानों की महिमा की स्वतंत्रता प्राप्त करेगी। रोमियों 8:21. परमेश्वर की महिमा नए यरूशलेम को रोशन करेगी।

प्रकाशितवाक्य 21:23. सचमुच, उसकी महिमा नए आकाश और नई पृथ्वी को भर देगी। जैसा कि यूहन्ना ने देखा, पवित्र नगर, यरूशलेम, परमेश्वर की महिमा से सुसज्जित होकर स्वर्ग से उतर रहा था। उसकी चमक एक बहुमूल्य रत्न की तरह थी, एक जैस्पर पत्थर की तरह, क्रिस्टल की तरह स्पष्ट।

शहर को सूरज या चाँद की रोशनी की ज़रूरत नहीं है, क्योंकि परमेश्वर की महिमा उसे रोशन करती है, और उसका दीपक मेमना है। प्रकाशितवाक्य 21, आयत 10 और 11, और आयत 23। संघर्षरत पापी, जैसा कि हम सभी कभी-कभी करते हैं, अनन्त राज्य में कैसे पहुँच सकते हैं? पतरस प्रोत्साहन देता है।

उद्धारण, सभी अनुग्रहों का परमेश्वर, जिसने आपको मसीह में अपनी अनन्त महिमा के लिए बुलाया है, वह आपको थोड़े समय तक कष्ट सहने के बाद स्वयं ही बहाल करेगा, स्थापित करेगा, मजबूत करेगा और सहारा देगा। 1 पतरस 5:10. और यह सब, "परमेश्वर के महिमामय अनुग्रह की स्तुति के लिए है।" इफिसियों 1:6.

हमारे अगले व्याख्यान में, हम उद्धार और परमेश्वर के राज्य के विषय के साथ भी यही करेंगे। हम इसे उन सिद्धांतों के माध्यम से चलाएँगे जिनका हमने पिछले व्याख्यानों में अध्ययन किया है।

यह डॉ. रॉबर्ट पीटरसन द्वारा उद्धार पर उनके शिक्षण में है। यह सत्र 21 है, उद्धार और धार्मिक विषय। उद्धार और "पहले से ही, अभी तक नहीं।"